



पंचम दिन
मां स्कंदमाता



मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय की माता हैं। वे अपने पुत्र को गोद में धारण करती हैं और कमल पर विराजमान रहती हैं। उनकी पूजा मातृत्व, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का संदेश देती है। भक्त संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और जीवन में शांति के लिए उनकी आराधना करते हैं।

संक्षिप्त

समाचार

दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान: पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहत्तर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी संरक्षित करने का प्रयास कर रही है।

इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) कर रहा है। सम्मेलन में भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के दूसरे समाजों व सभ्यताओं के साथ उसके संबंधों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दीवाली बोनस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, आज कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए

दीवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे दीवाली का तोहफा बताया। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के अथक परिश्रम का सम्मान है। ये कर्मचारी दिन-रात काम करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। वे त्योहारों के दौरान भी चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं। वे खेतों, रेलवे ट्रैक, इंजनों और कार्यशालाओं में लगातार कार्यरत रहते हैं।

देश में थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर, फुटकर महंगाई में भी तेजी



नई दिल्ली (एजेंसी)। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39 फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने कल 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92 फीसदी थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैनुफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 फीसदी थी। थोक महंगाई दर 11.39 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को जीडीपी का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है। सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39 फीसदी पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92 फीसदी दर्ज की गई थी।

खाने-पीने की चीजों में तेजी, ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछाल

खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 फीसदी के आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66 फीसदी दर्ज हुई। फ्यूल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93 से तेजी से बढ़कर 25.85 फीसदी पर पहुंच गई। प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76 से बढ़कर सितंबर में 8.67 फीसदी हो गई। मैनुफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37 से बढ़कर 9.76 फीसदी हो गई। पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की वस्तुएं, कूड ऑयल, गैस, कोयला और टेक्सटाइल में सबसे ज्यादा तेजी रही। जब भी सरकार महंगाई नापती है, तो वह किसी एक पुराने साल को 'पैमाना' मान लेती है, ताकि उससे तुलना करके पता चल सके कि आज चीजें कितनी महंगी हुई हैं। सरकार ने 2022-23 को नया पैमाना यानी बेस ईयर बनाया है। इसका मतलब है कि आज के सामानों की कीमतों की तुलना 2022-23 के दामों से की जा रही है।

यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए राहुल

छात्रा बोली-प्राइवेट पार्ट पर मारा, युवक ने कहा-गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा।

राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह भारत की आवाज के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी एनएसयूआई के कुछ कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। इन सभी को दिल्ली में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पीटे जाने

का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अपने चारों ओर देखिए। यह



भारत है। अमित शाह जी, इसे ध्यान से देखिए, यहां कोई हिंदू, कोई मुसलमान, कोई जाति, कोई महिला या कुछ और नहीं है। यहां सिर्फ एक आवाज, एक विरोध है और वह भारत की आवाज है।

तिहाड़ के बैरक-4 में आशुतोष रांका व नंबर 2 में सौरव दास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कॉकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही, अजिंक्य शिंदे को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। बताया जा रहा है कि तिहाड़ जेल के बैरक नंबर में आशुतोष रांका को रखा गया है जबकि सौरव दास को बैरक नंबर दो की जेल में रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और

अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सौरभ और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीजेपी के कानूनी मामलों के प्रमुख रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि सौरव और आशुतोष को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

बिहार में मौत का ऐसा मंजर कि रो पड़ीं डीएम

एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच, मची चीत्कार

वैशाली (एजेंसी)।

वैशाली जिले के राधेपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए नाव हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव-गांव में मातम पसरा है। भोज खाने के लिए निकले 13 मासूमों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि

एक ही गांव से एक बच्चों के परिजनों का साथ कई बच्चों की दर्द देखकर अर्धियां उठीं। हर तरफ जिलाधिकारी वर्षा सिंह



चीख-पुकार मची है और गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। वहीं, अस्पताल में मृतक भी खुद को संभाल नहीं पाई। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। इस दृश्य को देखकर

वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर

में एक बच्चे की भी जान चली गई। एक साथ इतनी अर्धियां उठने से गांव में मातम है।

भोज खाने जा रहे थे करीब 20 लोग बीच गंगा में पलटी जर्जर नाव

बताया जाता है कि रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिंघेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन किया गया था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के उस पार भोज खाने जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच ढाब में पहुंची, ओवरलॉड होने और जर्जर स्थिति के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। देखते ही देखते नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर श्यामचंद पंचायत और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। रात के अंधेरे में ग्रामीण मोबाइल की रोशनी के सहारे बचाव कार्य में जुट गए। करीब एक घंटे की कड़ी मशकत के बाद स्थानीय लोगों ने पानी से सभी लोगों को बाहर निकाला और आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), राधेपुर फतेहपुर पहुंचाया।



और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

मुस्कान ने बेटी से मिलने की गुजारिश की है

सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, मुस्कान पिछले तीन-चार दिनों से अपनी बड़ी बेटी से मिलने की गुजारिश कर रही थी। बच्ची की उम्र करीब सात साल बताई गई है। हालांकि, जेल अधिकृत के अनुसार, बच्ची को उससे मिलवाने के लिए जेल नहीं लाया गया था। सजा पर सुनवाई के दौरान भी मुस्कान की दोनों बेटियों का मुद्दा उठा। बचाव पक्ष की अधिवक्ता रेखा जैन ने बच्चियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देते हुए अदालत से कम सजा देने की अपील की। वहीं, अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता को आधार बनाकर कड़ी सजा की मांग की।

पीएम मोदी से आज मिलेगा एशियाड का भारतीय दल

प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से करेंगे बातचीत



नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल गुरुवार को हाल ही में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में शाम करीब 4.30 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर पीएम संबोधित भी करेंगे।

501 खिलाड़ियों के दल ने लिया था हिस्सा

भारत ने इन खेलों के लिए कुल 501 खिलाड़ियों का दल भेजा था। इनमें से 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री के साथ होने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय दल के खिलाड़ी, उनके प्रशिक्षक और सहयोगी स्टाफ शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ के पदाधिकारी, राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधि और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करेंगे और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से संवाद करेंगे।

भारत में इजरायल फ्लाइट जैसा खौफ, जयपुर में इमर्जेंसी लैंडिंग

हाईजैक का इमरजेंसी अलर्ट, अटक गई सांसें...

जयपुर (एजेंसी)।

फ्लाईडुबई के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हुए जानलेवा हमले और हाईजैक की खौफनाक कोशिश की यादें अभी धुंधली भी नहीं पड़ी थीं कि बुधवार सुबह जयपुर में एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए। जर्मनी (फ्रैंकफर्ट) से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया



और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यूँ कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया

संपादकीय

चुनावी रण की तैयारी

उत्तराखंड की राजनीति एक बार फिर चुनावी तैयारियों के दौर में प्रवेश कर चुकी है। वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी जहां सरकार के कामकाज, संगठन की मजबूती और विकास के दावों के सहारे जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में है, वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस बेरोजगारी, पलायन और जनसमस्याओं को केंद्र में रखकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। जहां एक तरफ भाजपा ने बृथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को गति देने पर जोर दिया है तो वहीं कांग्रेस ने भी बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दों को अपनी राजनीतिक रणनीति में प्रमुखता दी है। इन तैयारियों से स्पष्ट है कि चुनावी मुकाबले की जमीन तैयार होने लगी है, लेकिन राजनीतिक दलों की वास्तविक परीक्षा उनके नारों से अधिक जनता की अपेक्षाओं के प्रति जवाबदेही से होगी। भाजपा के सामने सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह अपने शासनकाल की उपलब्धियों को जनता के अनुभवों से किस प्रकार जोड़ती है। विकास योजनाएं, सड़क और आधारभूत ढांचे का विस्तार, पर्यटन, धार्मिक यात्राओं की व्यवस्थाएं तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रम उसके चुनावी विमर्श का हिस्सा बन सकते हैं। भाजपा सरकार के लिए यह भी आवश्यक होगा कि वह उपलब्धियों के साथ उन समस्याओं पर भी स्पष्ट जवाब दे, जिनके समाधान की अपेक्षा जनता लंबे समय से कर रही है। कांग्रेस के लिए बेरोजगारी, पहाड़ों से पलायन, महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और शिक्षा की गुणवत्ता ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर कांग्रेस सरकार से सवाल पूछ सकती है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल कांग्रेस के सामने संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने की चुनौती भी महत्वपूर्ण है। यदि विपक्ष जनता के सामने साझा कार्यक्रम और जवाबदेह नेतृत्व प्रस्तुत करता है, तो मतदाताओं को नीतियों के आधार पर विकल्पों का आकलन करने का अवसर मिलेगा। अब एक नजर क्षेत्रीय दलों पर डाले तो उत्तराखंड ऋति दल सहित क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियां पलायन, भू- कानून, स्थानीय युवाओं के रोजगार, प्राकृतिक संसाधनों और पर्वतीय क्षेत्रों के संतुलित विकास जैसे विषयों को राजनीतिक विमर्श में स्थान दे सकती हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यूकेडी अपनी ही अरुंदरनी समस्याओं से जूझ रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में पलायन, गांवों का खाली होना, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, शिक्षकों और चिकित्सकों की उपलब्धता, सड़क संपर्क तथा वन्यजीवों से सुरक्षा जैसे प्रश्न प्रमुख हैं। वहीं देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर और अन्य शहरी या मैदानी क्षेत्रों में यातायात, अनियोजित शहरीकरण, जलभराव, पेयजल, प्रदूषण और नागरिक सुविधाओं का दबाव अलग तरह की चुनौतियां प्रस्तुत करता है। युवाओं और महिलाओं की अपेक्षाएं होंगी महत्वपूर्ण

युवाओं के लिए रोजगार केवल एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि उनके भविष्य और राज्य में बने रहने के अवसरों से जुड़ा प्रश्न है। सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता, परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा, कौशल विकास, स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर सभी दलों को स्पष्ट दृष्टिकोण रखना होगा। राजनीतिक दलों के लिए चुनौती यह है कि वे मतदाताओं को केवल भावनात्मक नारों के आधार पर संबोधित करने के बजाय अपनी नीतियों और कार्ययोजनाओं का तुलनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करें। चुनावी रणनीति का असली आधार जनता की जवाबदेही

उत्तराखंड के आगामी विधानसभा चुनाव राजनीतिक दलों के लिए संगठन, नेतृत्व, उम्मीदवारों के चयन और जनसंपर्क की परीक्षा होंगे। भाजपा के सामने अपने शासनकाल के कामकाज का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी है, कांग्रेस के सामने विश्वसनीय विकल्प और संगठनात्मक एकजुटता की चुनौती है, जबकि क्षेत्रीय दलों के लिए राज्य की विशिष्ट समस्याओं को प्रभावी राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बदलना महत्वपूर्ण होगा। उत्तराखंड को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है, जिसमें पहाड़ का गांव विकास से वंचित न रहे, युवाओं को रोजगार के लिए अपना घर छोड़ने की मजबूरी कम हो, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुलभ हों तथा प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग पर्यावरणीय संतुलन के साथ किया जाए।



सौरभ वार्णाय

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीयों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकेत बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनपीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सुर्वकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार



निरमल रानी

चुनावी धांधली और मुख्य चुनाव आवुक्त जोनेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजधानी दिल्ली लगातार प्रदर्शनों से जूझ रही है। 10 अक्टूबर को जहां कंकरोचर जनता पार्टी ने विपक्षी दलों के समर्थन से जंतर मंतर सहित दिल्ली के कई प्रमुख स्थलों पर बड़े प्रदर्शन किये वहीं 12 अक्टूबर का दिन विपक्षी इण्डिया गठबंधन द्वारा बुलाये गए विशाल रैली व प्रदर्शन के नाम रहा। 12 अक्टूबर के इस अभूतपूर्व प्रदर्शन को विपक्षी दलों की सबसे बड़ी रैली व प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इस रैली व प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राहुल गांधी,प्रियंका गांधी,विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव , एन सी पी नेता सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत, सी पी आई एम एल के दीपांकर भट्टाचार्य,आर जे डी के तेजस्वी यादव, तुणमूल काग्रिस की ममता बनर्जी आदि अनेक बड़े नेता शामिल हुये। इस प्रदर्शन के दौरान भी जब दिल्ली पुलिस ने बैरिक्ेड्स लगाकर नेताओं को रोकने की कोशिश की, तो अखिलेश यादव, महुआ मोडत्रा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता बैरिक्ेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस ने कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में

पटाखों पर प्रतिबंध नहीं, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी

मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हेरान रह जाएंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए परेशानी पैदा करें। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं और सूख कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है। प्रदूषण का संकेत किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उसाह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले

लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है। यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है। यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनपीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी संकेत दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। केवल प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी आवश्यक है कि नियमों का पालन कैसे कराया जाएगा, उल्लंघन करने वालों पर किस प्रकार कार्रवाई होगी और आम लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की क्या व्यवस्था होगी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची द्वारा पटाखे फोड़ने के धार्मिक आधार पर सवाल उठाना भी विचारणीय है। भारतीय परंपराओं में दीपावली का प्रमुख संदेश अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। दीप जलाना, पूजा करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और परिवार तथा समाज के साथ खुशियां बांटना इस पर्व की व्यापक सांस्कृतिक भावना को व्यक्त करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि परंपराओं को समय, परिस्थिति और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुरूप समझा जाए। मुख्य न्यायाधीश ने लोगों को जागरूक करने और अपनी

मूल संस्कृति की ओर लौटने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उस परंपरा का उल्लेख किया जिसमें दीप जलाने और फुलझंडियां जलाने जैसे सीमित साधनों से उत्सव मनाया जाता था। इसका आशय उत्सव की खुशियों को समाप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा स्वरूप देना है जिससे दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। पिछले वर्ष दीपावली से पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्वआई का स्तर 200 के पार पहुंचने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनपीआर में निर्धारित शर्तों के तहत ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, ग्रीन पटाखों को प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त मान लेना भी उचित नहीं होगा। उनका वास्तविक प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और इस्तेमाल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए केवल किसी उत्पाद को ग्रीन पटाखा कह देना पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रामाणिकता की जांच, बिक्री पर निगरानी और निर्धारित समय तथा स्थान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय होना चाहिए। बाजारों में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने के साथ-साथ लोगों को नियमों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं।

लोकतंत्र का गला घोटने का शातिराना प्रयास

भी लिया। बाद में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दल इस मामले को लेकर यथिका दायर करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इस प्रदर्शन को रोकने या इसे विफल करने के लिये सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किये गए। बल प्रयोग से लेकर,सड़कों पर चुकीली कीलें बिछाने, प्रदर्शनकारियों से लेकर अनेक आम राहगीरों तक को गिरफ्तार करने की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। कनाट प्लेस से लेकर संसद भवन तक का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। देश के इतिहास का यह पहला प्रदर्शन था जिसे कवर करने से रोकने की गूज से अनेक प्रमुख मीडिया घरानों के पत्रकारों से लेकर कई स्वतंत्र व सोशल मीडिया जर्नलिस्ट्स व यू ट्यूबर्स को भी हिरासत में लिया गया। कई के साथ मारपीट भी की गयी। बी बी सी सहित अनेक पत्रकारों के साथ पुलिस बदसलुकी से पेश आती दिखाई दी। जिन मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को दिल्ली में प्रदर्शन कवर करने के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था उनमें बिजनेस स्टैंडर्ड,नवभारत टाइम्स,रॉयटर्स के अलावा स्क्रॉल, न्यूज लॉन्ड्री,बूम,एमओ,मॉल्टिटेक्स इंडिया,उल्टा चश्मा आदि के कई पत्रकार शामिल हैं। जाने माने पत्रकार परंजोय गुहा ठाकुरता को भी दिल्ली में जब्तन हिरासत में लिया गया जबकि ऑल्ल न्यूज के पत्रकार को अहमदाबाद में व स्क्रॉल के एक अन्य पत्रकार को पुणे में हिरासत में लिया गया। नवरात्रि के पहले ही दिन हो रहे इस आंदोलन में कई महिला पत्रकारों को पीटा,घसीटा गया और हिरासत में लिया गया। यहाँ तक कि कई महिला पत्रकारों ने तो पुलिस पर यौन हमले का भी आरोप लगाया। सवाल यह है कि क्या जनहित के कार्यक्रमों को कवर करना कोई अपराध है जिसकी वजह से पुलिस को यह सब करना पड़ा ? जबकि इस प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए पत्रकार पेशेवर तरीके से अपना काम अंजाम दे रहे थे?

भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है और प्रेस की स्वतंत्रता को भी इसी अनुच्छेद का हिस्सा माना गया है। ऐसे में कानून व्यवस्था के नाम पर इस तरह का तानाशाही रवैया पर संवैधानिक नहीं तो और क्या है ? क्या इसी भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल मदर ऑफ डेमोक्रेसी, बताया था बल्कि अपनी बातों के समर्थन में मीडिया से जुड़े कुछ आंकड़े भी बताए थे? पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान जंतर मंतर,कर्नाट प्लेस व संसद मार्ग आदि कई जगहों पर जिसतरह से पत्रकारों के साथ पेश आया गया उसने तो उस आपातकाल के जुल्म को भी पीछे छोड़ दिया जिसे लेकर वर्तमान सरकार काग्रिस को आज भी घेरती रहती है। लोकतान्त्रिक सरकार होने का दावा करने वालों को यह बाताना होगा कि जब भारत का संविधान पत्रकारों के रिपोर्टिंग करने, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दों को नागरिकों के सामने लाने के अधिकार की रक्षा करता है ऐसे में उन्हें अपने दायित्व निभाने से रोकने के क्या मायने हैं ? साफ जाहिर है कि सरकार देश में फैले सत्ता विरोधी जनाक्रोश को देश व दुनिया से छुपाना चाहती है। वह नहीं चाहती कि दुनिया को यह पता चले कि चुनावी धांधलियों के खिलाफ देश के लोग खासकर युवा किस तरह सरकार का विरोध करते हुये सड़कों पर उतर आये हैं। और वह वह भी नहीं चाहती कि इस आंदोलन को कुचलने के लिये सरकार के इशारे पर की जा रही बर्बर पुलिस कार्रवाई को दुनिया देख सके। यही वजह है कि जहाँ दर्जनों पत्रकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया,अनेक पत्रकारों के साथ बदसलुकी,मारपीट की कई महिला पत्रकारों के साथ अशोभनीय हरकतें कीं वहीं दर्जनों पत्रकारों को प्रदर्शन स्थल तक जाने से भी

रोका गया। एक और नई बात इस प्रदर्शन में यह भी देखने को मिली कि सत्ता प्रायोगिक दर्जनों लोग पत्रकार की वेश में हाथों में माइक लिये इधर उधर घूमते नजर आये। यह लोग प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग करने या प्रदर्शनकारियों से बात करने के बजाये उन पत्रकारों की ही घेर कर सवाल पूछने लगते जोकि घटना की रिपोर्टिंग कर रहे या प्रदर्शनकारियों से सवाल पूछ रहे थे। ये उन पत्रकारों का ही इंटरव्यू लेते व उन्हें बहस में उलझा कर सत्ता को सही ठहरने व प्रदर्शनकारियों को ही कटघरे में खड़ा करने की बातें करते। जिसकी वजह से वह पत्रकार असहज महसूस करते और उन्हें रिपोट करने में अड़चन पैदा होती। यह ठरां कई बार कई जगहों पर देखा गया। गोया जानबूझकर एक ऐसी प्रवृति अपनाई गयी जिससे या तो पुलिसिया कहर से मीडिया कर्मी भयभीत होकर स्वयं रिपोट करना छोड़ दें या उन्हें पकड़ कर प्रदर्शनस्थल से दूर ले जाया जाये या फिर उन्हें नकली पत्रकारों के झुण्ड में घेरकर उन्हीं से दस सवाल पूछकर उलझाये रखा जाये ताकि वे वास्तविकता को देख न सके व उसकी रिपोट न कर सकें। इसके अतिरिक्त कर्नाट प्लेस के आउटर सर्किल पर ही भारी पुलिस बल द्वारा अनेक पत्रकारों को रोका गया ताकि वे जंतर मंतर या घरने के करीब जा भी न सके। यदि रखा चाहिये कि चुनावी धांधलियों के चर्चे भी पूरी दुनिया में हो चुके हैं और हो रहे हैं साथ ही विषय पंचायत संयुक्त राष्ट्र भी अपनी चिंताएं जाहिर कर चुका है। जो सरकार पहले ही देश के मीडिया के बड़े हिस्से को किसी न किसी रूप में प्रबंधित कर चुकी है उसके द्वारा चंद ईमानदार पत्रकारों व स्वतंत्र पत्रकारों पर नियंत्रण कर देश के वास्तविक हालात पर पर्दा डालने की कोशिश करना लोकतंत्र का गला घोटने का एक और शातिराना प्रयास है।

मोदी मंत्रिमंडल के अहम फैसले : रेलकर्मियों को दीपावली की सौगात,



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बैंक के विनिवेश से आर्थिक सुधारों रेलकर्मियों के लिए करोड़ रुपये के उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी,वित्तीय सुधारों का नया अध्याय...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले देश की आर्थिक दिशा,प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जनकल्याण के प्रति सरकार की सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। 14 अक्टूबर 2026 को हुई बैठक में भारतीय रेल के 11.40 लाख से अधिक पात्र कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-संबद्ध बोनस को मंजूरी देना और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना विशेष महत्व रखता है। एक ओर दीपावली से पहले रेलकर्मियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत देने का निर्णय है, तो दूसरी ओर बैंकिंग क्षेत्र में बड़े निवेश और प्रबंधन संबंधी बदलाव का रास्ता खुलता दिखाई देता है। इन दोनों फैसलों के केंद्र में अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं, लेकिन व्यापक दृष्टि से देखें तो इनका संबंध आर्थिक गतिविधियों,संस्थागत कार्यकुशलता और विकास की निरंतरता से जुड़ता है। रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के बोनस की सौगात भारतीय रेल के केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक जीवरेखा है।प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने से लेकर उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तक, रेलवे की भूमिका देश के विकास में महत्वपूर्ण है। इस विशाल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लाखों कर्मचारियों का योगदान रहता है।रैलगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन, पटरियों का रखरखाव, तकनीकी व्यवस्थाओं का संचालन, स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता और मालगाड़ियों की आवाजाही जैसे कार्यों में कर्मचारियों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन के आधार पर लगभग 11,40,770 पात्र रेलकर्मियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता- संबद्ध बोनस को मंजूरी दी है। इस पर कुल 2,009.61 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 17,951 रुपये तक बोनस मिलेगा। यह निर्णय त्योहार के मौसम में कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत के साथ उनके परिश्रम और योगदान को सम्मान देने का भी संदेश देता है। वर्तमान समय में परिवारों के सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और दैनिक जरूरतों से जुड़े अनेक खर्च हैं ऐसे में दीपावली से पहले मिलने वाली अतिरिक्त राशि से रेलकर्मियों को अपने घरेलू बजट को व्यवस्थित करने और त्योहार की तैयारियां करने में सहायता मिलेगी। लाखों परिवारों तक पहुंचने वाली यह राशि बाजार में मांग बढ़ाने में भी योगदान



दे सकती है। त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना रहती है उत्पादकता- संबद्ध बोनस का महत्व केवल आर्थिक भुगतान तक सीमित नहीं है। यह कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। रेलवे में सुरक्षा और समकबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। आधुनिक तकनीक, नई रेल लाइनों, विद्युतीकरण और उन्नत परिचालन प्रणालियों के साथ कर्मचारियों का प्रशिक्षण, अनुभव और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।पिछले वर्षों में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां, आवश्यक प्रशिक्षण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। बोनस जैसे निर्णय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।इसके साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार और यात्रियों के प्रति जवाबदेही बनाए रखना भी आवश्यक है।आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से बड़ा बदलाव मंत्रिमंडल की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से संबंधित है।सरकार ने फेवरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की सहायक कंपनी को बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्वीकृति दी है। इस सौदे के तहत केंद्र सरकार और

भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 52,878.08 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। घोषित सौदे के अनुसार, शेयर का मूल्य 81 रुपये निर्धारित किया गया है, जो स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर तय 75.99 रुपये के संदर्भ मूल्य से अधिक है। लेनेदन पूरा होने के बाद सरकार और एलआईसी की संयुक्त हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रहने की जानकारी दी गई है।यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की भूमिका, निजी निवेश और वित्तीय संस्थानों की कार्यकुशलता से जुड़ी व्यापक बहस को फिर सामने लाता है। रणनीतिक विनिवेश का उद्देश्य केवल सरकारी हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं, बल्कि किसी संस्थान को पूंजी, प्रबंधन क्षमता और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से अधिक सक्षम बनाने की संभावनाओं से भी जुड़ा होता है। बदलते बैंकिंग परिदृश्य में डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों को त्वरित सेवाएं, ऋण वितरण और जोखिम प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बैंक के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना, ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करना आवश्यक है।यदि रणनीतिक निवेश से इन क्षेत्रों में सुधार होता है, तो इसका लाभ बैंक की दीर्घकालिक स्थिति को मजबूत करने में मिल सकता है। हालांकि,इन्ने बड़े सौदे की सफलता का आकलन केवल सरकार को प्राप्त होने वाली राशि से नहीं किया जाना चाहिए। बैंक के जमाकताओं की सुरक्षा, कर्मचारियों के हित, ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और

वित्तीय प्रणाली की स्थिरता भी महत्वपूर्ण हैं।नियामकीय शर्तों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सौदे को पूरा करना आवश्यक होगा। यह भी देखना होगा कि स्वाभित्व और प्रबंधन में बदलाव के बाद बैंक अपनी सेवाओं को किस प्रकार बेहतर बनाता है।कर्मचारी कल्याण और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन रेलवे बोनस और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को एक साथ देखने पर सरकार की दो अलग-अलग नीतिगत प्राथमिकताएं सामने आती हैं। रेलवे कर्मचारियों को बोनस देने का निर्णय उनके योगदान को सम्मानित करने और त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता पहुंचाने से संबंधित है। वहीं आईडीबीआई बैंक के विनिवेश का उद्देश्य संस्थागत ढांचे और प्रबंधन में बदलाव के माध्यम से बैंक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना है।भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में विकास की गति बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, उद्योगों का विस्तार, रोजगार के अवसर और मजबूत वित्तीय संस्थान आवश्यक हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों के हितों और आम नागरिकों की जरूरतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आर्थिक सुधार तभी सार्थक होंगे, जब उनका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे और संस्थानों के प्रति जनता का विश्वास बना रहे। रेलवे में कर्मचारियों को कार्यकुशलता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। दूसरी ओर, बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रबंधन सुधार से वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने की संभावना है। दोनों ही मामलों में घोषणाओं से आगे बढ़कर उनके प्रभावी क्रियाव्यवण पर ध्यान देना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण,निवेश को प्रोत्साहन और आर्थिक सुधारों को विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा गया है। इन प्रयासों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उनसे रोजगार, उत्पादकता, सेवाओं की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आता है।अंततः 14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं रेलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कोटद्वार की सड़कों पर बढ़ रहे निराश्रित गोवंश, हादसों के बाद भी नहीं जाग रहा सिस्टम



कोटद्वार की सड़कों पर घूमते गोवंश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर की सड़कों पर बढ़ती निराश्रित गोवंश की संख्या लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। सड़कों से लेकर गलियों और पुलों तक गोवंश के झुंड नजर आ रहे हैं। आए दिन गोवंश राहगीरों पर

हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। कुछ मामलों में लोगों की जान तक जा चुकी है, इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। नगर निगम की ओर से समय-समय पर गोवंश संरक्षण के लिए अभियान चलाने के

दावे किए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

शहर में निराश्रित गोवंश की बढ़ती संख्या से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। सड़क के बीचोंबीच बैठे गोवंश के कारण जाम की स्थिति बन रही है। वहीं, अचानक सड़क पर आ जाने या राहगीरों पर हमला करने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता

है। गलियों में घूम रहे गोवंश के कारण बच्चों और बुजुर्गों को भी घर से बाहर निकलने में परेशानी हो रही है। शाम के समय नदी पर बने पुलों पर गोवंश के झुंड बैठे दिखाई देते हैं। रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे गोवंश वाहन चालकों

को नजर नहीं आते, जिससे हादसों की आशंका और बढ़ जाती है। शहर में निराश्रित गोवंश के हमलों की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कुछ माह पूर्व जौनपुर क्षेत्र में घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ दिन बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी तरह बालासौड़ मुख्य मार्ग पर भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर पीछे से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। काशीरामपुर तल्ला क्षेत्र में भी गोवंश के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया था। उसे बेस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, पटेल मार्ग पर सब्जी खरीद रही एक महिला पर भी गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर करना पड़ा। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बावजूद शहर में निराश्रित

गोवंश के हमलों में कई लोग गंवा चुके जान, राहगीरों से लेकर किसानों तक की बढ़ी परेशानी

गोवंश की समस्या बनी हुई है। लोगों कदम उठाए गए होते तो ऐसी घटनाओं का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी को रोकने में मदद मिल सकती थी।

किसानों की फसलों को भी पहुंच रहा नुकसान

निराश्रित गोवंश केवल राहगीरों के लिए ही खतरा नहीं बन रहे, बल्कि किसानों की परेशानी भी बढ़ा रहे हैं। रात के समय गोवंश खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे काशतकारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। भाबर और सनेह क्षेत्र में यह समस्या अधिक गंभीर बनी हुई है। रात के अंधेरे में सड़कों पर बैठे गोवंश के कारण वाहन चालकों को भी खतरा बना रहता है।

पशुपालकों की लापरवाही पर कार्रवाई की जरूरत

स्थानीय स्तर पर यह भी शिकायत सामने आती रही है कि कुछ पशुपालक दूध देना बंद करने या अनुपयोगी होने पर अपने गोवंश को सड़कों पर छोड़ देते हैं। ऐसे पशु धीरे-धीरे निराश्रित गोवंश के झुंड का हिस्सा बन जाते हैं। इसके बावजूद पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रभावी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है। समस्या के समाधान के लिए नगर निगम और पशुपालन विभाग के बीच बेहतर समन्वय के साथ गोवंश के संरक्षण, पशुपालकों की पहचान और नियमित निगरानी की व्यवस्था जरूरी है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और बेजुबान पशुओं को भी सुरक्षित आश्रय मिल सके।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में फरार युवक गिरफ्तार



पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को धुमाकोट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। बुधवार को पुलिस ने उसे धुमाकोट क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बीती दो अक्टूबर को धुमाकोट निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस

लेकिन वह पुलिस की पकड़ से बचने के लिए फरार हो गया। इसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी रही। धुमाकोट पुलिस के अनुसार, बुधवार को आरोपी सूरज को धुमाकोट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

हंगामा करने वाले दो व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडैन : गढ़वाल राइफल्स रजिमेंटल सेंटर, लैंसडैन के स्वागत द्वार पर शराब का सेवन कर अनुशासनहीनता करने तथा सुखा कर्मियों के साथ अप्रभ्र व्यवहार करने के मामले में दो व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पालकोट स्थित संस्कार होटल में कार्यरत जितेन्द्र गुर्ग्राई पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ग्राम देवीकोट तथा मायाराम पुत्र प्रेम सिंह, राजनगढ़, बिजनौर (उत्तर प्रदेश) गढ़वाल राइफल्स रजिमेंटल सेंटर के स्वागत द्वार पर शराब का सेवन कर रहे थे।

सेंटर की सिविल सिक्वोरिट्री गार्ड द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों व्यक्तियों ने निर्देशों का अवहेलना करते हुए सुरक्षा गार्ड के साथ अप्रभद्रा की तथा अपराधों का प्रयोग किया। इसके पश्चात सिविल सिक्वोरिटरी गार्ड ने घटना की सूचना रजिमेंटल पुलिस सेवशन को दी। रजिमेंटल पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए लैंसडैन पुलिस को मामले की जानकारी दी गयी। इसके बाद पुलिस दोनों व्यक्तियों को अपने साथ थाने ले गयी। दोनों का कैंट जनरल हॉस्पिटल, लैंसडैन में मेडिकल जांच कराई गई, जिसमें अल्कोहल के सेवन की पुष्टि हुई। पुलिस द्वारा दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

श्रीनगर पहुंची पदयात्रा, हुआ भव्य स्वागत
श्रीनगर गढ़वाल : सिमली बेस अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने व बेस अस्पताल का शासनादेश जारी करने की मांग के लिए सिमली से देहरादून के लिए चली पदयात्रा मंगलवार देर शाम श्रीनगर पहुंची। इस दौरान गोला पार्क में आइस कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया व उनकी मांग को समर्थन दिया।

बेस अस्पताल संघर्ष समिति सिमली-कर्णप्रयाग की उपचार की पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। आइसा छात्र संघटन से जुड़े छात्रों एवं महिला मंच की ओर से सरस्वती देवी ने समिति को समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्ष से अधिक समय बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव चिंतानक है।

बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी ने एसजीआरआर लालपानी को 29 रन से हराया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलूनी पब्लिक स्कूल में लेट एंडवोकेट रंजेश भारद्वाज मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के आठवें सीजन का शुभारंभ हो गया है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसजीआरआर लालपानी को 29 रन से हराकर विजयी आगाज किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं राष्ट्रीय चयनकर्ता सबा करीम ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के बचपन के कोच मदन शर्मा और ‘दा वन स्पोर्ट्स’ के निदेशक जागृत आनंद मौजूद रहे। अतिथियों ने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बलूनी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के एमडी विपिन बलूनी और बलूनी पब्लिक स्कूल एवं बलूनी क्लासेस कोटद्वार विंग की निदेशक अभिलाषा भारद्वाज ने भी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी और एसजीआरआर लालपानी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बलूनी स्पोर्ट्स एकेडमी ने निर्धारित आठ ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 58 रन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के सिद्धबली मार्ग पर बाल रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला के आठवें दिन सूर्पनखा की नाक काटने, खरदूषण वध और सीता हरण के प्रसंगों का मंचन किया गया। कलाकारों ने शानदार अभिनय के माध्यम से रामायण के इन प्रसंगों को जीवंत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

रामलीला मंचन का शुभारंभ नगर निगम के महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, उद्योगपति अनिल कंसल, उमेश त्रिपाठी, सेवक राम मानूजा और लाजपत राव भाटिया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने क्षेत्रीय जनता से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के

आर्मी पब्लिक स्कूल मे मूल्यपरक शिक्षा पर विशेष सत्र आयोजित



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा नैतिक मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य से मूल्यपरक शिक्षा पर बुधवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

विद्यार्थियों को जीवन के मूलभूत नैतिक मूल्यों से परिचित कराना तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन, गुरुग्राम के विवेकानंद इंस्टीट्यूट

ऑफ वेल्यूज से आए रिसर्सर्स पर्सन हेमंत सिंह बोहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में श्री बोहरा ने नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं अच्छे संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाने तथा अपने आचरण में नैतिक मूल्यों को स्थान देने

के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देते हुए विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता एवं विषय के प्रति गहरी रुचि

प्रदर्शित की। इस संवादात्मक गतिविधि ने सत्र को रोचक, ज्ञानवर्धक एवं प्रभावशाली बनाया। विद्यालय की ईचार्ज अध्यापिका संगीता धस्माना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील एवं चरित्रवान नागरिक बनाना भी है। नैतिक मूल्यों का विकास विद्यार्थियों को जीवन में सही निर्णय लेने तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायता करता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने कहा कि मूल्यपरक शिक्षा विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और उनके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में अनुशासन, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना समय की आवश्यकता है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकें।

भाषण प्रतियोगिता में मंजेश नेगी रहे प्रथम

गोपेश्वर। राजकीय सातकोतर महाविद्यालय गोपेश्वर में सेवा संकल्प अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 20 छात्र—छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में मंजेश नेगी ने प्रथम, विपिन सिंह ने द्वितीय और मनीषा बिष्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र रावत ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को संकल्पबद्ध होकर कार्य करना होगा। नोडल अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी। प्रभारी प्राचार्य डॉ. दिग्पाल सिंह कठारी ने एक माह तक चले कार्यक्रमों में सत्रिय भूमिका निभाने वाले सभी लोगों का आभार जताया। संवादन डॉ. चंदा ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. गुंजन, डॉ. चंद्रेश और डॉ. अनीता शामिल रहे। इस दौरान डॉ. सबज सेनी, डॉ. कुलदीप नेगी, डॉ. विधि डीडियाल आदि मौजूद रहे।

तंबाकू और गुटखे के सेवन से बढ़ रहे मुंह के कैंसर के मरीज

श्रीनगर गढ़वाल : तंबाकू, गुटखा और बीड़ी-सिगरेट के सेवन से मुंह का कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। राजकीय संयुक्त उपजिला अस्पताल में हर साल 5 से 6, जबकि बेस अस्पताल में 40 से 50 मरीज इसके इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें 35 से 60 वर्ष के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। राजकीय संयुक्त उपजिला अस्पताल के इर्दगिरी सर्जन डॉ. दिग्पाल दत्त का कहना है कि तंबाकू और गुटके के सेवन की आदत अक्सर युवावस्था में पड़ जाती है, जबकि इसके गंभीर लक्षण कई साल बाद सामने आ सकते हैं। मुंह के अंदर सफेद चकते बनने की स्थिति को ल्यूकोलेकिया कहा जाता है। ऐसे चकते सामान्य रूप से राइने से साफ नहीं होते। यह स्थिति कुछ मामलों में कैंसर का खतरा बढ़ा सकती है, इसलिए इसकी जांच जरूरी है। मुंह कम खुलना और 2-3 बंधों से अधिक समय तक छले या घाव बने रहना कैंसर के खतरे की घंटी है। वहीं बेस अस्पताल के सीनियर रजिडेंट (इंजनीटी) डॉ. शुभम वर्मा ने बताया कि यहां आने वाले अधिकांश मरीजों का इलाज छेदी सर्जरी से सफल हो जाता है।

नशे से दूर रहने को नियमित योग करें युवा : गीता

नैनबाग (टिहरी)। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में मेरे सपनों का भारतझ्विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान योग विभाग की छात्राओं ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय सतर्कता समिति की अध्यक्ष गीता रावत ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

छात्रसंघ अध्यक्ष हिमानी ने महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा दीवार बनाने की मांग उठाई। उन्होंने नियमित योगाभ्यास करने वाले विद्यार्थियों के लिए 50 टी-शर्ट, 50 लोअर और 50 योग मैट उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से

उठाई। बाद में मुख्य अतिथि रावत और विशिष्ट अतिथि कुंदन सिंह पंवार ने योग प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना ज्ञान, कर्म, चरित्र और देश के प्रति

समर्पण पर आधारित समाज से साकार होगा। इस अवसर पर डॉ. मंजु कोगियाल, डॉ. ब्रीशा कुमार, डॉ. दुर्गेश कुमारी, डॉ. धनंजय शर्मा, डॉ. अमित कुमार, योग शिक्षक राजमोहन सिंह रावत, अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

दोगी पट्टी की बदहाल सड़कों पर भड़के उत्फ़ंद कार्यकर्ता

नरेंद्रनगर (टिहरी)। आपदा से क्षतिग्रस्त दोगी पट्टी क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत नहीं होने से नाराज उफ़ंद कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने लोनिवि कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लोनिवि और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में एसडीएम आशीष चंद्र चिल्डियाल के माध्यम से समस्या के समाधान के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही है भवन की मरम्मत

उत्तरकाशी। धनारी पट्टी के मंजकोट गांव में पंचायत भवन की जर्जर हालत ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।

भवन की दीवारों पर जगह-जगह दरारें पड़ने से इसके सुरक्षित होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों को न्याय पंचायत की बैठकें करने के लिए इसी भवन का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी भवन की मरम्मत नहीं कराई गई है।

मंजकोट गांव की प्रधान वंदना राणा और अमित राणा ने बताया कि मंजकोट गांव में वर्ष 2002 में पंचायत भवन का निर्माण किया गया था। लंबे समय से मरम्मत और देखरेख के अभाव में भवन की स्थिति खराब हो गई है। दीवारों पर पट्टी दरारें और भवन की जर्जर

हालत किसी संभावित हदसे की आशंका बढ़ा रही हैं। ऐसे में यहां न्याय पंचायत की बैठकें आयोजित करना ग्रामीणों के लिए चुनौती बना हुआ है।

कहा कि भवन की खराब स्थिति के संबंध में संबंधित विभाग को कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद भवन की मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि पंचायत भवन गांव की महत्वपूर्ण ज़रूरतों में शामिल है। इस पंचायत की बैठकों सहित अन्य ज़रूरी कार्यों के लिए भवन का उपयोग किया जाता है लेकिन इसकी जर्जर स्थिति के कारण लोगों को दिक्कत उठानी पड़ रही है।



संबंध में बीएसएनएल के अधिकारियों को सूचना दी लेकिन उसके बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। विद्यालयों में कंप्यूटर तो लगा दिए गए लेकिन नेटवर्क नहीं होने के कारण उनका प्रयोग नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में बीएसएनएल के एसडीओ से फोन पर संपर्क करने पर उनकी ओर से कार्रवाई नहीं की गई।

धौतरी पीएचसी के उच्चीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा

उत्तरकाशी। गाजणा क्षेत्र के करीब 27 गांवों की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) धौतरी के उच्चीकरण का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय के अनुसार, प्रस्ताव भेजे करीब एक सप्ताह होने वाला है। शासन से मंजूरी मिलने पर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद है। फिलहाल यहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने से मरीजों को उपचार के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ती है। जिला मुख्यालय से करीब 35 से 40 किलोमीटर दूर स्थित धौतरी पीएचसी क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। यहां जांच और उपचार की सीमित सुविधाओं के कारण एक्सरे जैसी जरूरत पड़ने पर मरीजों को जिला अस्पताल पहुंचना पड़ता है। गंभीर बीमारी और दुर्घटना में घायल मरीजों के लिए इतनी दूरी तय करना काफी मुश्किल भरा होता है। ग्रामीण पहले भी केंद्र में एक्सरे मशीन लगाने और उच्चीकरण की मांग उठा चुके हैं। बीते सात अक्टूबर को उत्तरकाशी में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी धौतरी पीएचसी के उच्चीकरण की मांग का परीक्षण कराने की बात कही थी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रस्ताव शासन को भेजे जाने के बाद निर्णय का इंतजार है।

देवदार के 49 पल्लों से लदी पिकअप पकड़ी, चालक फरार



बड़कोट। अपर यमुना वन प्रभाग की खाई रेंज में वन विभाग की गश्ती टीम ने देवदार की लकड़ी से बने 49 दरवाजे, खिड़की और रेशनदान के पल्लों से लदी पिकअप पकड़ी है। लकड़ी का बाजार मूल्य करीब एक लाख आंका गया है। गश्ती दल को देखकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वन विभाग ने वाहन सीज कर भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

देवदार के 49 पल्लों से लदी पिकअप पकड़ी, चालक फरार

बड़कोट। अपर यमुना वन प्रभाग की खाई रेंज में वन विभाग की गश्ती टीम ने देवदार की लकड़ी से बने 49 दरवाजे, खिड़की और रेशनदान के पल्लों से लदी पिकअप पकड़ी है। लकड़ी का बाजार मूल्य करीब एक लाख आंका गया है। गश्ती दल को देखकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वन विभाग ने वाहन सीज कर भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रभागीय वनाधिकारी अजय लिंगवाल के निर्देशन और उपप्रभागीय वनाधिकारी साधु लाल पलियाल के मार्गदर्शन में खाई रेंज में वन अपराधों की रोकथाम के लिए नियमित रात्रि गश्त की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात करीब दो बजे विगराड़ी बीट के अंतर्गत गडोली-पौंटी मोटर मार्ग पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सराड़ी के समीप गश्ती दल को गडोली की ओर से पौंटी पुल की तरफ एक पिकअप आती दिखाई दी। टीम ने वाहन रोकने का प्रयास किया तो चालक कुछ दूरी पर पिकअप खड़ी कर मौके से फरार हो गया। वन विभाग की टीम ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें



देवदार की लकड़ी से निर्मित विभिन्न आकार के 49 दरवाजे, खिड़की और रेशनदान के पल्ले बरामद हुए। टीम ने लकड़ी समेत पिकअप को कब्जे में ले लिया।

डीपीसी के लिए जिला पंचायत के 17 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

नई टिहरी। जिला योजना समिति (डीपीसी) निर्वाचन-2026 के तहत जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों में से 17 सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं। बुधवार को जिला पंचायत सभागार बैराड़ी में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिका खंडेलवाल ने निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों को प्रमाणपत्र वितरित किए। चुनाव में सभी 17 पदों पर एक-एक प्रत्याशी ने नामांकन कराया था।

डीएम नितिका ने कहा कि जिला योजना समिति की जिले की विकास योजनाओं के निर्माण और प्राथमिकताओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्वाचित सदस्यों से जनहित को

प्राथमिकता देने और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रिान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

जिला योजना समिति के लिए आशीष जोशी, उत्तम सिंह, कविता देवी, जोत सिंह असवाल, जोत सिंह, दर्शनी देवी, धनपाल सिंह बिष्ट, पुष्पा, पुष्पा देवी, ममता, लक्ष्मी देवी, विजय देवी, विजयपाल सिंह रावत, विजय लाल, शकुंतला, शीशपाल और शीशपाल सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण, उपाध्यक्ष मान सिंह रैतेला, जिला योजना समिति के सहायक रिटर्निंग अधिकारी वृजेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गंगोत्री हाईवे पर मलबे के ढेर के बीच हुआ सफर जोखिम भरा

चिन्यालीसोड़। गंगोत्री हाईवे पर यातायात तो बहाल हो गया है लेकिन बारिश से तबाही के निशान अब भी सड़क पर पड़े हैं। न्युगुन पुल से पुराने पुलिस थाने धरासू, धरासू बैंड के आसपास और नालुपानी सहित कई स्थानों पर भारी मात्रा में बोल्टर और मलबा जमा है। सड़क से मलबा पूरी तरह नहीं हटने के कारण यात्रियों का सफर जोखिमभरा बना हुआ है। संकरे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से कई बार जाम की स्थिति भी पैदा हो रही है।

अगस्त और सितंबर में हुई भारी बारिश के दौरान गंगोत्री हाईवे पर कई स्थानों पर पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्टर सड़क पर आ गिरे थे, जिससे यातायात बाधित हो गया था। इसके बाद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने आवाजाही बहाल करने के लिए मलबा हटाकर वाहनों के निकलने लायक रास्ता तैयार किया।



हालांकि, यातायात शुरू होने के बाद भी कई स्थानों पर मलबे और पत्थरों के ढेर नहीं हटाए जा सके हैं। हाईवे पर जमा बोल्टर और मलबे

करना पड़ रहा है। बीआरओ के कमांडर राजकिशोर सिंह ने बताया कि मलबा हटाने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं।

के कारण वाहन चालकों को सीमित जगह में आवाजाही करनी पड़ रही है। आमने-सामने से वाहनों के आने पर जाम लग रहा है, वहीं पहाड़ी से पत्थर गिरने की आशंका यात्रियों की चिंता बढ़ा रही है। ऐसे में हाईवे पर सफर करने वाले लोगों को परेशानी का सामना

एक नजर

मंत्री ने किया 16.18 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को पाबौ ब्लॉक के सैंजी, बुरांसी, जगतेश्वर और नौटा क्षेत्र में 16.18 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इस मौके पर मंत्री ने फलदाड़ी, सैंजी, बुरांसी, बड़ैथ और पैलार के महिला मंगल दलों को सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सामग्री वितरित की।

विकासखंड पाबौ में आयोजित कार्यक्रमों में मंत्री डॉ. रावत ने बुरांसी मुख्य मार्ग से राईका जगतेश्वर तक 8.21 लाख रुपये की लागत से निर्मित इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य का लोकार्पण किया। साथ ही करीब 9.37 करोड़ के सात किमी. नौटा-बुरांसी-कुल्याणी मोटर मार्ग, 96.13 लाख में सैंजी-कुगराड़खाल से ग्वालखड़ा मोटर मार्ग, राईका जगतेश्वर में 23.80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास किया। मंत्री ने क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए बुरांसी गांव स्थित पातुल्या पौराणिक मंदिर के स्थल विकास कार्य का भी शिलान्यास किया। इसके अलावा तीन लाख रुपये की लागत से प्राचीन बिंदेश्वर मंदिर के स्थल विकास कार्य की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क सुविधाओं की बेहतर बनाने के लिए सैंजी-चौलसैंण, जीआइसी व चपलोड़ी-फलदाड़ी सड़क से संबंधित इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं सड़क सुधारीकरण के कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और लोगों को बेहतर आवागमन व शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख लता रावत, पूर्व प्रमुख रजनी रावत, विमल सिंह नेगी, विनोद नेगी, नरेंद्र भंडारी आदि मौजूद रहे।

नालियों से पौंटी पुल के पिलर में रिस रहा पानी

बड़कोट। नौगांव-पौंटी-राजगढ़ी मार्ग पर बदहाल जल निकासी व्यवस्था अब पौंटी मोटर पुल की सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय बन गई है। सड़क की नालियां क्षतिग्रस्त होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। सड़क पर बहता पानी पौंटी पुल की पिलर तक पहुंच रहा है। इससे पुल की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, सड़क पर बहते पानी के कारण वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष ललित भंडारी सहित अन्य लोगों ने संबंधित विभाग से समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है। उन्होंने पुल के आसपास नालियों का निर्माण कर सड़क के पानी की उचित निकासी पर जोर दिया जिससे राहगीरों को राहत मिलने के साथ पुल की सुरक्षा भी बनी रहे।लोनिवि के सहायक अभियंता सीताराम डोभाल ने बताया कि पौंटी पुल के संवेदनशील स्थान के स्थायी उपचार के लिए इंस्टीमेट भेजा गया है। उन्होंने बताया कि भू-धंसाव के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है। फिलहाल पानी की निकासी के लिए कच्ची नाली कटवाने के निर्देश संबंधित कर्मचारी को दिए जाएंगे।

डीएम के हस्तक्षेप के बाद भी नहीं टूटी विभागीय सुस्ती

बड़कोट। नगर के बीचोंबीच स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के जर्जर भवन विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। जिलाधिकारी के हस्तक्षेप, कई बार पत्राचार और भवनों के निरीक्षण के बावजूद लोनिवि अब तक डिस्टेंसल प्रमाणपत्र जारी नहीं कर पाया है। नतीजतन, नए छात्रावास के निर्माण की योजना कागजों में अटकी है और परिसर असुरक्षित बना हुआ है।हैयानी की बात यह है कि एक ओर संस्थान के भवनों से दुर्घटना का खतरा बना है वहीं दूसरी ओर नगर के बीचोंबीच स्थित बेशकीमती सरकारी जमीन बदहाल पड़ी है। परिसर में जंगली जानवरों और नशेडूधियों की आवाजाही की शिकायतें हैं।



महाराष्ट्र के नागपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी के बीच ‘पेंच नेशनल पार्क’ ऐसी जगह है जहां रुखे व्यवहार वाला आदमी भी कुछ दिन रुक जाए तो वह भी काव्यात्मक लहजे में बातें करने लगेगा। पेंच की खूबसूरती को समझने के लिए 292 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस घने जंगल में आपको घूमना पड़ेगा।

जिन जगहों पर कुदरत दिल से मेहरबान रही है

उनमें से पेंच भी एक है। पेंच आने वाले पर्यटकों का पहला सामना अपनी उछलकूद में मग्न बंदरों से होता है। कच्ची मगर सलीकेदार सड़क के चारों ओर घने झुरमुटों में से स्वछंद विचरते हिरण, सांभर और चीतल जरूर टुमक कर पर्यटकों का स्वागत करते हैं मगर अपनी उत्सुक निगाहों को आप से हटा कर कुलाचें भरने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हर दूसरे मोड़ पर ये दोबारा

आपके सामने नजर आ जाते हैं।

पेंच में शेर का दिखना मौके की बात है। यहां विचरते समय बीच-बीच में आपको नीलगाय, जंगली भैंसा, जंगली सूअर और जंगली कुत्ता आदि के साथ ही अन्य जंगली जानवर भी देखने को मिलेंगे।

पेंच में कुछ घंटे गुजरने के साथ ही आपको खुद ब खुद महसूस होगा कि स्वच्छ हवा या आक्सीजन



दूसरे से सटे नहीं हैं और न ही आमने-सामने हैं। यह एक छोटी बस्ती की तरह चारों तरफ दोर्माजिला शक्ल में फैले हुए हैं।

नागपुर और सिवनी के बीच खवासा गांव उतर कर मात्र 10 किलोमीटर अंदर जाकर जब पेंच का जीवन तबियत से जीने की इच्छा हो तो जरूरी है कि आप चश्मा ले जाएं, दूरबीन भी और कैमरा भी। जीप से घूमते समय पानी की बोतल साथ रखें। खाने-पीने के लिए गेट पर काफी रेस्तरां हैं साथ ही वन विभाग की कैंटीन और रेस्ट हाउस भी यहां उपलब्ध हैं।

मौसम कोई भी हो, पेंच में सुबह-सुबह सर्दी का एहसास जरूर होता है। सर्दियों में शाम भले ही किपलिंग कोर्ट के अंदर कमरे में कुछ सोचते, गुनगुनाते, थिरकते या नीचे मैदान में बैठ साथी पर्यटकों से बातचीत करते गुजारी जाए लेकिन गर्मियों की शाम में अगर बगैर दीवारों वाले तितली रेस्तरां में कुछ ठंडा-गरम पिया जाए तो पेंच आने की कीमत वसूल हो जाती है।

कोडैकनाल भारत का एक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल है जो तमिलनाडु राज्य में बसा डिंडागुल जिले का एक शहर है। यह समुद्र तल से 2133 मीटर की ऊंचाई पर एक पठार के ऊपर है। तमिल में कोडैकनाल का अर्थ वन का उपहार है। कोडै शब्द के चार अलग-अलग अर्थ होते हैं- पहला ‘जंगल का अंतिम छोर’, दूसरा ‘लताओं का जंगल’, तीसरा ‘गर्मियों का जंगल’ और चौथा ‘जंगल का उपहार’। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण इसे ‘हिल स्टेशनों की राजकुमारी’ भी कहते हैं

कोडैकनाल हिल रिजॉर्ट अपनी सुंदरता और शांत वातावरण से सबको सम्मोहित कर लेता है। यहां घूमने का मजा कुरिंजी नामक फूल के खिलने के समय दोगुना हो जाता है। हालांकि यह फूल बारह साल में एक बार खिलता है। यहां के लोग कुरिंजी के फूल को देखना अपनी शान समझते हैं। जब यह खिलता है तो पहाड़ियों की सुंदरता देखते बनती है। इसकी खुशबू मदहोश कर देने वाली होती है। विशाल चट्टान, शांत झील, फलों के बागीचे और पाइन के जंगलों से आती शुद्ध हवा यहां के वातावरण को सुगंधित और गुलजार बना देती है। कोडैकनाल का उल्लेख ईसा पूर्व के संगम साहित्य में मिलता है। पलानी हिल्स के आसपास के क्षेत्र में उस समय पेलियंस और पुलयंस नामक आदिम जनजाति निवास करती थी। 1845 में अंग्रेजों ने यहां हिल स्टेशन स्थापित किया था। ब्रिटिश प्रशासकों और मिशनरियों का यह पसंदीदा हिल स्टेशन था। कोडैकनाल की स्थापना 1863 में हुई थी। इस सूबसूत शहर के दर्शनीय स्थल-

कोडैकनाल झील

इस खूबसूरत सितारानुमा झील का निर्माण एक अंग्रेज ने किया था। जो 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसके चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस झील का बोट क्लब रोमांचक रेसिंग ट्रिप की सुविधा उपलब्ध कराता है।

कोकर्स वाक

लेफ्टिनेंट कोकर के नाम से इस स्थान का नाम कोकर्स वाक पड़ा। कोकर ने कोडैकनाल का मानचित्र तैयार किया था। यह शहर से एक किलोमीटर दूर मनमोहक पर्यटन स्थल है। यहां से आसपास की पहाड़ियों तथा मंदिरों शहर का दृश्य बहुत ही सुंदर दिखाई देता है। मैदानों से खूबसूरत दिलकश नजारों का लुफ्त लिया जा सकता है। यहां की प्रसिद्ध पिलर रॉक्स चट्टानें

वनों का सुंदर उपहार कोडैकनाल

कोडैकनाल से 7.4 किलोमीटर दूर हैं। ये 122 मीटर ऊंची है, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। यह स्थान पिकनिक के लिए भी उपयुक्त है।

ब्रायंट पार्क

बेरियम झील के पूर्व दिशा में फैला ब्रायंट पार्क स्थित है। यह पार्क फूलों तथा संकर प्रजाति के विभिन्न पेड़-पौधों के लिए जाना जाता है। यहां एक ग्लास हाउस में विभिन्न किस्म के फूल खिले रहते हैं। मई महीने में यहां उद्यान मेला लगता है।

बेरियम झील

यह खूबसूरत झील पिकनिक के लिए लोकप्रिय स्थल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरी यह झील कोडै कनाल बस स्टे शन से 21 किलोमीटर दूर है। इस झील से पेरियाकुलम नगर को पानी की सप्लाई होती है। झील की खोज और सुधार कार्य ब्रिटिश आर्मी कर्नल हेमिल्टन द्वारा 1864 में किया गया था।

शेनबागानूर संग्रहालय

झील से 5 किलोमीटर की दूरी पर यह संग्रहालय स्थित है। इसकी देखरेख सेक्रेड हार्ट कॉलेज द्वारा की जाती है। यहां का आर्किडोरियम भारत के सबसे बेहतर आर्किडोरियम में से एक माना जाता है।

कुरिंजी अंदावर मंदिर

यह मंदिर कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर है। यहां पर ‘लार्ड मुरुगन’ की एक आकर्षक प्रतिमा रखी हुई है। यहां से पलानी पहाड़ियों तथा वैगाई डैम का खूबसूरत दृश्य मन को मोह लेता है।

बीयरशोला फाल

यह खूबसूरत पिकनिक स्थल कोडैकनाल से 16 किलोमीटर दूर है। यहां अक्सर भालुओं को पानी पीते देख जा सकता है। भालुओं की उपस्थिति के कारण इस झरने का नाम बीयरशोला पड़ा।

सिल्वर कासकेड प्रपात

यह आकर्षक जलप्रपात कोडैकनाल झील से 8 किलोमीटर दूर है। झील का अतिरिक्त जल 180 फीट की ऊंचाई से झरने के रूप में गिरता है। यहां के शांत और सौम्य वातावरण का पर्यटक भरपूर आनंद लेते हैं।



बोट क्लब

यह बोट क्लब 1910 में स्थापित किया गया था। 1932 से पहले यह आम लोगों और पर्यटकों के लिए नहीं था। मात्र कुछ चुनिंदा सदस्य ही बोटिंग का आनंद ले सकते थे। बाद में पर्यटकों और आम लोगों को भी सुविधा दे दी गई।

वेधशाला

कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर स्थित इस वेधशाला का निर्माण 1899 में किया गया था। 2347 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह वेधशाला कोडैकनाल की सबसे ऊंची जगह है। यहां से प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखता है।

टेलीस्कोप हाउस



घाटी और उसके आसपास की सुंदरता को देखने के लिए दो टे लीस्कोप हाउस स्थापित किये गये हैं। इसके अलावा सौर भौतिक वेधशाला, ग्रीन वैली व्यू गुना गुफाएँ, डॉल्फिन नोज, थालाइयर झरना आदि जगहों की सैर कर सकते हैं। फलों में नाशपाती के लिए यह जगह प्रसिद्ध है। चॉकलेट प्रेमियों के लिए यह स्वर्ग माना जाता है। साहसिक गतिविधियों में ट्रेकिंग, बोटिंग, हॉर्स राइडिंग और साइकिलिंग का आनंद लिया जा सकता है।

कब और कैसे जाएं

सालभर मौसम अच्छा रहता है। वैसे, अच्छा समय अप्रैल से अगस्त उत्तम है। सर्दियों के दौरान इस जगह की यात्रा अच्छी रहती है। निकटतम हवाई अड्डा मद्रुरै है, जो यहां से 120 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी द्वारा कोडैकनाल पहुंच सकते हैं। रेल मार्ग के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन कोडै रोड है, जो कोडैकनाल से 80 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग के लिए दक्षिण भारत के कई मुख्य शहरों से सीधी बस सेवा द्वारा जुड़ा है।

क्या होती है। सुबह-शाम पक्षियों की संगीतमय चहचहाहट के जादू से बच पाना भी किसी के बूते की बात नहीं है और न ही रंगबिरंगे पक्षी संसार को इतने नजदीक से देखने का अवसर चूकने की।

पेंच नेशनल पार्क में अब रुकना भी सरल हो गया है। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के प्रति अपनी गंभीरता को समझते हुए किपलिंग कोर्ट का निर्माण करवाया है। 20 कमरों का तमाम आधुनिक सुख-सुविधाएं लिए किपलिंग कोर्ट मोगली के जंगल में आप का घर ही है। किपलिंग कोर्ट के कमरे आम होटलों जैसे एक-

अरब सागर की गोद में बेटे छोटे ये द्वीप अपनी सुंदरता में अद्वितीय और आकर्षक हैं। ये भारत के दक्षिण-पश्चिम किनारे पर स्थित हैं। मुख्य भूमि से दूर इनका प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषणमुक्त वातावरण, चारों ओर समुद्र और इसका पारदर्शी तल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

समुद्री जल में तैरती असंख्य प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियाँ इन द्वीपों की सुंदरता को चार चाँद लगा देती हैं। हर द्वीप पर नारियल व पाम के झूमते हरे-भरे वृक्ष हैं। और साथ है कोरा-कुँवारा समुद्र जिसका नीला पानी आपको अनोखी पवित्रता का अहसास कराता है।

लक्षद्वीप भारत के एकमात्र मूँगा द्वीप हैं। इन द्वीपों की श्रृंखला मूँगा एटोल हैं। एटोल मूँगे के द्वारा बनाया गई ऐसी रचना है जो समुद्र की सतह पर पानी और हवा मिलने पर बनती है। सिर्फ इन्हीं परिस्थितियों में मूँगा जीवित रह सकता है। यहाँ के निवासी केरल के निवासियों से बहुत मिलते-जुलते हैं। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है। अब केंद्र सरकार इन द्वीपों का पर्यटन की दृष्टि से तेजी से विकास कर रही है।

समुद्र जल में जो जीव सृष्टि है, वह धरातल के ऊपर के प्राणियों से कम सुंदर और आकर्षक नहीं है। ये द्वीप प्रकृति की एक अद्भुत देन हैं। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूँगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

द्वीप

अगत्ती लक्षद्वीप का बेहद खूबसूरत लैगून में से



है। यहाँ एयरपोर्ट भी है। लक्षद्वीप में यहीं से प्रवेश किया जाता है। यहीं पर 20 बिस्तरों वाला एक पर्यटक काम्पलैक्स भी है।

बंगारम

औसू के आकार के इस द्वीप में चारों ओर क्रीमी रंग की रेत बिखरी हुई है। लक्षद्वीप के हर द्वीप की तरह यहाँ भी नारियल के वृक्ष सघन मात्रा में हैं जो दिन की तीखी गर्मी में भी ठंडक देते हैं।

कवरत्ती

कवरत्ती यहाँ की प्रशासनिक राजधानी है। यह सबसे अधिक विकसित भी है साथ ही यहाँ द्वीपवासियों के अलावा अन्य लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। पूरे द्वीप में 52 मस्जिद हैं, सबसे खूबसूरत मस्जिद है उज़ मस्जिद। कहा जाता है कि यहाँ के पानी में चमत्कारी शक्ति है।

इस द्वीप में एक्वेरियम भी है जिसमें सुंदर मछलियों की प्रजातियाँ हैं। यहाँ काँच की तली वाली नौका में बैठकर आप समुद्री दुनिया का नजारा

सागर किनारे लक्षद्वीप

ले सकते हैं। इसके अलावा यहाँ वाटर स्पोर्ट्स जैसे केयाकिंग, कनोइंग और स्नोरकेलिंग का मजा भी ले सकते हैं।

कालपेनी

यहाँ तीन द्वीप हैं जिनमें आबादी नहीं है। इनके चारों ओर लैगून की सुंदरता देखने लायक है। कूमेल एक खाड़ी है जहाँ पर्यटन की पूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ से पित्ती और थिलक्कम नाम के दो द्वीपों को देखा जा सकता है। यहाँ आप तैर सकते हैं, रीफ पर चल सकते हैं, नौका में बैठकर घूम सकते हैं और कई वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

कदमठ

एक जैसी गहराई और दूर अनंत तक जाते किनारे कदमठ को स्वर्ग बनाते हैं। यही एकमात्र द्वीप है जिसके पूर्वी और पश्चिमी दोनों ओर लैगून हैं। यहाँ वाटर स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएँ हैं।

मिनिकाँय

यह कवरत्ती से 200 किमी दूर दक्षिण में है। मालदीव के करीब होने के कारण यहाँ भिन्न संस्कृति के दर्शन होते हैं। मिनिकाँय नृत्य परंपरा के मामले में बेहद समृद्ध है। विशेष



अवसर पर यहाँ लावा नृत्य किया जाता है। यहाँ खासकर तूना मछली का शिकार और नौका की सैर आनंददायी है। अँग्रेजों के द्वारा 1885 में बनवाया गया प्रकाश स्तंभ देखने लायक है, पर्यटक यहाँ ऊपर तक जा सकते हैं।

कैसे जाएं

हवाई मार्ग से कोचीन से अगत्ती द्वीप तक सीधी हवाई सेवा है। अगत्ती से हेलिकॉप्टर या बोट के माध्यम से आगे जाया जा सकता है। दूसरे द्वीपों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है। पानी के जहाज से केरल के कोचीन से जहाज की सेवा भी उपलब्ध है।

कब जाएं

अक्टूबर-नवंबर में यहाँ बारिश होती है और पानी के जहाज चलना बंद हो जाते हैं। फिर भी हेलिकॉप्टर के माध्यम से आप यहाँ जा सकते हैं। इन दिनों मौसम कुछ ठंडा हो जाता है लेकिन अन्य दिनों में गर्मी रहती है।

कांग्रेस का बढ़ा कुनबा, राजनीतिक, सैन्य और प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई लोगों ने थामा

देहरादून उत्तराखंड। उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, देहरादून में सदस्यता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान राजनीतिक, सैन्य एवं प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े कई लोगों ने कांग्रेस की विचारधारा और नेतृत्व में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए इसे पार्टी के प्रति बढ़ते जनविश्वास और समर्थन के रूप में प्रस्तुत किया। सदस्यता कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी में नए सदस्यों को कांग्रेस परिवार में शामिल किया गया।

सेवानिवृत्त आईजी और पूर्व सैन्यकर्मी भी शामिल कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में सेवानिवृत्त आईजी पुलिस अनंतराम चौहान, विधानसभा चकराता क्षेत्र से दर्शन लाल डोभाल, कैप्टन ताजवर सिंह नेगी, कैप्टन नारायण सिंह रावत, कैप्टन गंगा सिंह, कैप्टन हेरा बल्लभ

संक्षिप्त समाचार

चकराता के बायला गांव में बघेरे का कहर! कई बकरियों की मौत

चकराता, देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जनपद की तहसील चकराता के अंतर्गत बायला गांव में जंगली जानवर के हमले से पशुपालक को भारी नुकसान होने का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, बघेरे के हमले में करीब 20 से 25 बकरियों के मारे जाने की सूचना है। वहीं, कुछ बकरियां अभी तक नहीं मिल पाई हैं। घटना से प्रभावित पशुपालक के सामने आर्थिक नुकसान का संकट खड़ा हो गया है।

घटना की तत्वीरों में सड़क किनारे कई बकरियां मृत अवस्था में दिखाई दे रही हैं। मौके पर मौजूद एक युवक भी मृत पशुओं को दिखाते हुए नजर आ रहा है। हालांकि, बकरियों की कुल संख्या, हमले की परिस्थितियों और घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

पशुपालक की आजीविका पर संकट

चकराता और जौनसार-बावर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पशुपालन आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में बड़ी संख्या में बकरियों की मौत से प्रभावित परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यदि लापता बकरियां भी मृत पाई जाती हैं, तो नुकसान का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

घटना के बाद क्षेत्र के पशुपालकों में जंगली जानवरों की सन्नियता को लेकर चिंता बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों को डर है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में भी पालतू पशुओं को नुकसान पहुंच सकता है।

वन विभाग से निरीक्षण और सुरक्षा उपायों की मांग

ग्रामीणों की अपेक्षा है कि वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करे और मृत तथा लापता बकरियों की वास्तविक संख्या का आकलन करे। साथ ही, हमले के कारणों की जांच कर प्रभावित पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाए।

क्षेत्र में वन्यजीवों की नियंत्रणविधियों पर निगरानी बढ़ाने और पशुपालकों को अपने पशुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की भी जरूरत है।

प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद

बायला गांव में हुई इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन की सुरक्षा का मुद्दा फिर सामने ला दिया है। अब ग्रामीणों को वन विभाग की कार्रवाई और नुकसान के आकलन का इंतजार है।



उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
उत्तराखण्ड राज्य सरकार
कीर्पोरेट आर्किटेक्चर संख्या / 140109UP2015SG025867/2358
कार्यालय आदिवासी अधिकार, विद्युत वितरण अर्क, नैनीताल

निविदा विस्तारिकरण सूचना
इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या – 11/2026–27 जोकि दिनांक– 14/10/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा को क्रय करने की तिथि को दिनांक– 24/10/2026 को पूर्वोक्त 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उरसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के समुच्च अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराहन 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्त पूर्ववत् रहेंगी।
पत्रांक : 1025/वि०वि०(नौ)/उपाकालि०/टी-6
दिनांक : 14.10.2026
अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड- नैनीताल
विद्युत बिलों के 24x7 अनारलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर लार्जे "सफ्ट हित में बिजली बचाएँ" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)



उत्तर रेलवे
ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ पीएस (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर निकल स्टाल के कार्य को **IREPS** के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई-बोलियों दिनांक 02.11.2026 को आमंत्रित की जाती है।
विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **3580/2026**



उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-

1	कार्य का नाम व स्थान	रोजा में ब्रान्डन स. 5 व 6 में स्थित माल गोदाम में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के प्राधान्य के विस्तार सहित सेवा भवनों, माल गोदाम, आवगमन क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, RPF पोस्ट मुरादाबाद में अधीनस्थ अधिकारियों के लिए 2 कमरे सहित 60 विस्तर वाले पुरुष बैरक के नए निर्माण का विद्युतीकरण, जिसमें शौचालय, मेस, स्टोर, जिम, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष तथा छत पर सौर पैनल का प्राक्धान शामिल है तथा उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी अन्य स्थल पर सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 10,03,791.95/-
4	बयाना राशि जो जमा की जानी है	₹ 4,20,100/- (अर्नालाइन जमा करें) बोली सुझा या तो ई-नेमेट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बैंड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बैंड अनुबंध-ए (1) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।
5	ई-निविदा करना करने एवं ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 03.11.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरडीपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 03.11.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा प्रपत्र आईआरडीपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 19.10.2026 से दिनांक 03.11.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई-निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई-इच्छुकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लिक 1। डिजिटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नहीं है), जो आई टी नियम-2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये जायेंगे। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

प्रपत्र सं. 17-विद्युत/वि/टी/जी.पी.एस/एम.बी./65-A दिनांक: 13.10.2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **3571/26**



पांडे, कैप्टन सोबन सिंह, जितेंद्र सिंह एवं शशांक भट्ट सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। पार्टी की ओर से सभी नए सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई कि नए सदस्यों के अनुभव और सक्रिय भागीदारी से संगठन

को मजबूती मिलेगी तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी।

कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे मौजूद

कार्यक्रम में बद्रीनाथ विधायक लखपत सिंह बुटोला, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचन्द शर्मा, महामंत्री अभिषेक सिंह, राजेन्द्र शाह, नवीन जोशी, विनोद चौहान, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिभा सिंह, प्रदेश सचिव अमेन्द्र बिष्ट, अखिलेश उनियाल, प्रशांत खंडूरी एवं नरेशानन्द नौटियाल सहित अनेक कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने संगठन को मजबूत बनाने, जनता के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने और जनसेवकों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

संगठन विस्तार पर कांग्रेस का जोर

सदस्यता कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस ने प्रदेश में अपने संगठनात्मक विस्तार का संदेश दिया। पार्टी नेताओं के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों और सेवाओं से जुड़े लोगों का पार्टी में शामिल होना संगठन के लिए उत्साहजनक है।

दून क्लब के हांडी रेस्टोरेट में गंदगी का खुलासा



देहरादून।उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी का गंभीर मामला सामने आया है। न्यू सर्वे रोड, करणपुर स्थित दून क्लब के हांडी रेस्टोरेट में संयुक्त निरीक्षण टीम को रसोईघर से लेकर स्टोर रूम तक गंदगी, सड़ी-गली सब्जियां, कई दिन पुरानी खाद्य सामग्री तथा चूहे और कॉकोरोच की मौजूदगी

मिली। निरीक्षण में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बाद रेस्टोरेट को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। साथ ही संचालक को कमियां दूर करने के लिए 14 दिन का इम्प्यूमेंट नोटिस जारी किया गया है।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तराखंड और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के

दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने पर उत्तराखंड में सियासी घमासान

देहरादून। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखंड के पूर्व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गोसम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद उत्तराखंड की राजनीति में बहस तेज हो गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से 12 अक्टूबर 2026 को विभिन्न राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति और फेरबदल की घोषणा के बाद यह नियुक्ति राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गई है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी एंगल की जांच के बीच हुए इस फैसले पर कांग्रेस ने विरोध जताया है, वहीं आगामी चुनावों के मद्देनजर इसके राजनीतिक मायनों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

राज्यपाल की नियुक्ति के बाद क्यों गहमाई सियासत ?

दुष्यंत गौतम उत्तराखंड में भाजपा के प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके राज्यपाल बनाए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में इस फैसले के लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। विपक्षी दलों और आलोचकों का कहना है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस नियुक्ति ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दिया है।

सोशल मीडिया पर भी इस नियुक्ति को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे सामान्य संवैधानिक नियुक्ति



मान रहे हैं, जबकि विपक्षी खेमे से जुड़े लोग इसे उत्तराखंड में जारी राजनीतिक विवाद के संदर्भ में देख रहे हैं। हालांकि, किसी नियुक्ति के पीछे की वास्तविक राजनीतिक मंशा के बारे में बिना ठोस प्रमाण के निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

अंकिता भंडारी हत्याकांड और कथित वीआईपी एंगल

भालू ने दो गांवों में तीन गोशालाएं तोड़ीं



मंगलवार रात तोणजी गांव में भालू ने मुकेश नेगी की गोशाला तोड़कर बैल को मार डाला। वहीं धर्म सिंह नेगी की गोशाला को भी भालू ने तोड़ दिया लेकिन ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह भाग गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव के पास लोस्टू, पाथरी और सिलवाडी तोक में भी भालू लगातार दिखाई दे रहा है। उधर बंगथल गांव में भालू ने गोविंद लाल की गोशाला तोड़कर उनकी दुखारू गाय को

पोखरी (चमोली)। क्षेत्र के दो गांवों में भालू ने तीन गोशाला तोड़कर एक गाय और एक बैल को मार डाला। एक ही रात में हुई इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू से निजात दिलाने के लिए गश्त बढ़ाने और पिंजरा लगाने की मांग की।

धर्मावाला के निजी अस्पताल में 22 वर्षीय युवती की मौत

विकासनगर, देहरादून। विकासनगर क्षेत्र के धर्मावाला स्थित स्वामी विवेकानंद हॉस्पिटल में 22 वर्षीय युवती तनीषा चौहान की उपचार के दौरान मौत होने से परिवार में मातम पसर है। युवती के परिजनो ने अस्पताल के चिकित्सकों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दायियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में भी शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त शिकायत के अनुसार, तनीषा चौहान पुत्री चमन सिंह चौहान, हाल निवासी मेहूवाला खालसा, पोस्ट ऑफिस अंबाड़ी, जिला देहरादून एवं (मूल निवासी ग्राम शिबऊतहसील चकराता) को 12 अक्टूबर 2026 को पैर में दर्द और संक्रमण की शिकायत के बाद उपचार के लिए स्वामी विवेकानंद हॉस्पिटल, धर्मावाला में भर्ती कराया गया



था। परिजनों का कहना है कि चिकित्सकों ने जांच के बाद पैर में पस बनने की बात कही थी और ऑपरेशन कराने की जानकारी दी थी।

ऑपरेशन से पहले इंजेक्शन देने के बाद बिगड़ी तबीयत

परिजनों की शिकायत के मुताबिक, 13 अक्टूबर को तनीषा को ऑपरेशन के लिए

देहरादून। जिला योजना समिति निर्वाचन-2026 के तहत देहरादून जिला पंचायत से सभी 10 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सहायक रिटर्निंग अधिकारी की ओर से वैध रूप से निर्वाचित उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है। निर्विरोध निर्वाचन के चलते जिला पंचायत के निर्धारित 10 पदों के लिए मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। जिला पंचायत देहरादून के लिए जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, अमिता राज, खुशबू गुंजन, गोविंद सिंह, दीवान सिंह, पिंकी रोहिला, रश्मि देवी, विजयलक्ष्मी, विनिता रतूड़ी, संजय किशोर और हुकम चन्द को जिला योजना समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

12 अक्टूबर से शुरू हुई थी निर्वाचन प्रक्रिया जिला निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 12 अक्टूबर 2026 को निर्धारित थी। 13 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की गई, जबकि उम्मीदवारों को 14 अक्टूबर को नाम



वापस लेने का अवसर दिया गया था। आवश्यकता पड़ने पर मतदान 16 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक और इसके बाद मतगणना का कार्यक्रम निर्धारित किया गया था।

जिला पंचायत देहरादून की वैध उम्मीदवारों की सूची जारी होने के साथ ही इन 10 पदों पर

निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति स्पष्ट हो गई है। जिला योजना समिति की क्या है भूमिका? जिला योजना समिति का उद्देश्य जिले की विकास योजनाओं को समन्वित करना तथा जिला पंचायत और नगरीय निकायों से संबंधित विकास प्राथमिकताओं को जिला योजना में शामिल करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। समिति जिले की आवश्यकताओं, स्थानीय विकास कार्यों और उपलब्ध संसाधनों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

चंबा में पानी के संकट पर फूटा लोगों का गुस्सा

चंबा (टिहरी)। नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति का समय बढ़ाने, नालियों से पेयजल पाइपलाइन हटाने और भवन निर्माण में घरेलू पानी के उपयोग पर रोक लगाने सहित अन्य मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने बुधवार को जल संस्थान कार्यालय पर सांकेतिक प्रदर्शन किया।



प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी यदि एक सप्ताह के अंतर्गत उक्त समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे आ आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंबा नगर क्षेत्र में दो दिन के अंतराल में सिर्फ एक घंटे ही पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति का समय बढ़ाने, नालियों

में बिछी पाइप लाइनों को हटाकर उचित स्थान पर व्यवस्थित करने की मांग प्रमुखता से उठाई। आरोप लगाया कि कई रसूददार लोग भवन निर्माण कार्यों में घरेलू पानी के कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में निर्माण कार्यों में घरेलू पानी के उपयोग से आम लोगों की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।

गौतम का नाम भी इस राजनीतिक विवाद के संदर्भ में चर्चा में आया है। हालांकि, किसी व्यक्ति का नाम आरोपों या सार्वजनिक बयानों में आने मात्र से उसकी आपराधिक संलिप्तता साबित नहीं होती। इस संबंध में किसी भी निष्कर्ष के लिए जांच के नतीजे और विश्वसनीय साक्ष्य ही निर्णायक होंगे। मुख्यामंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद इस प्रकरण की जांच को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं। अक्टूबर 2026 में जांच से जुड़े अधिकारियों के अंकिता के पैतृक गांव पहुंचकर उसके माता-पिता से पूछताछ किए जाने की खबरें भी सामने आईं। ऐसे में प्रदेशवासियों की निगाहें जांच की प्रगति और कथित वीआईपी एंगल से जुड़े सवालों के जवाब पर टिकी हैं।

कांग्रेस ने जताया विरोध, गांधी पार्क में किया मौन उजवास

दुष्यंत गौतम की नियुक्ति के विरोध में उत्तराखंड कांग्रेस ने 13 अक्टूबर को देहरादून स्थित गांधी पार्क में एक घंटे का मौन उजवास किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंकिता भंडारी के परिजनों की ओर से उठाए जा रहे सवालों और कथित वीआईपी एंगल के बीच इस नियुक्ति से जनता की भावनाएं प्रभावित हुई हैं।

दस दिनों से देहरादून में धरने पर बैठे कर्मचारी

नौगांव (उत्तरकाशी)। सहकारी समितियों के कर्मचारियों की हड़ताल के चलते यमुनाघाटी के नौगांव, पुरोला और मोरी विकासखंडों की सभी 17 सहकारी समितियों में ताले लटके हैं। समितियों के बंद रहने से न केवल कृषि ऋण से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि इनके माध्यम से संचालित मिनी बैंक भी ठप पड़े हैं। ऐसे में समय पर कृषि ऋण, बीज और खाद नहीं मिलने से क्षेत्र के कृषककारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

सहकारी समितियों के कैडर सचिव और अन्य कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले दस दिनों से देहरादून में धरने पर बैठे

हैं। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण समितियों में कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। दूरदराज के गांवों से कृषि ऋण और खाद सहित अन्य जरूरतों की चिंताएं बढ़ गई हैं। कृषककारों का कहना है कि समय पर खाद और कृषि ऋण उपलब्ध नहीं होने से खेती से जुड़े जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

वहीं, समितियों के बंद रहने से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं पर भी असर पड़ रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल
द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्युनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्युनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई बत्राकोव के डिफ्लेक्टेटेड शॉट से गैलाटसराय ने बहुत ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैसेलो ने सुझबुझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया।



दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हॉसी प्लक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए अस्सिट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया 7 मिनट में दागे तीनों गोल



नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए कांशमाई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका

तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्टज, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन-टू हुआ। हैवर्टज ने गेंद साका को लोटीआई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा



रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एटीमुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन



शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ को रूटीन मैडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलॉड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑनराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैपबेल ने हैमरिंग ड्रंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्ववाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।



राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेनिसक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था। इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत की ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है।



गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ

उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता



गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ

है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर : सुरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक डिफेंडर : संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हादिक सिंह, मनप्रीत सिंह फॉरवर्ड : शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी : विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहत सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेले 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेले गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन

स्टावांगर । बेयर्न म्युनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्युनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हसन हॉगिन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ



और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई। मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट कोमिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेलें गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।